Total No. of Printed Pages :4]

L/Sem III/43

Roll No. .....

LL. M (General)Semester III Examination, 2013-14

LAW

Compulsory Paper

Paper : LLM-551

(Law and Social Transformation in India)

Time : Three hours] *[Full Marks : 70*

[Pass Marks : 35

[Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper.]

Note : Attempt any *'Four'* questions. All questions carry equal marks

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है

1. 'All views relating to interaction of Law with Social-Sciences veer between two extreme positions-one which represents a reaction against the thought which

P. T. O.

has widened the boundaries of legal science and advocates separation of it from social- sciences while the other, that lays emphasis on interaction of law and presumes it as conterminous with those of social-sciences.'

Critically examine this statement in the light of long established juristic concern with social-sciences.

'विधि की समाज-विज्ञान से होने वाली परस्पर अन्तःक्रिया से सम्बद्ध समस्त वैचारिक मत दो चरम स्थितियों में घूमते हैं,- प्रथम उन विचारों के विरुद्ध प्रतिक्रिया जो विधिक विज्ञान के परिवृत को व्यापक करात है और इसका समाज विज्ञानों से पृथक करने का पोषण करता है; जबकि द्वितीय जो विधि का समाज-विज्ञानों को अन्तःक्रिया पर बल देता है और उसके समविस्तारी मानता है।,

इस वक्तव्य का विधि के समाजिक सम्बन्धों के प्रति पूर्वस्थापित विधिक ध्यान के आलोक में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. It is generally said that 'Law is the mirrior of society', but in India, Law is being uses on a large scale as an instrument of social change. Is it feasible ? Discuss.
सामान्यतया यह कहा जाता है कि 'विधि समाज का दर्पण है' परन्तु भारत में, व्यापक स्तर पर, विधि को सामाजिक परिवर्तन के एक अभिकरण के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। क्या यह युक्तियुक्त है ? विवेचना कीजिए।

3. Critically evaluate the impact of social development on law. How for it is correct to say that the meaning of history in relation to law has contributed in the development of legal thought ? Ilucidate.

विधि पर सामाजिक विकास के प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। यह कहना कहाँ तक उचित होगा कि विधि के साथ सम्बन्ध में इतिहास के अर्थ की व्याख्या ने विधिक-विचार के विकास में योगदान किया है ? सोदाहरण समझाइए।

4. 'Legal idealism needs the support of the sociological approach to the law." comment.

'विधिक आदर्शवाद के लिए विधि के प्रति समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है।' टीका कीजिए।

5. 'Legal order is sustained partly by the state-made law imposed from above and partly by the force of social morality which is the product of long experience of the people.' Discuss and illustrate.

विधिक व्यवस्था, भागतः राज्य निर्मित विधि के ऊपर से आरोपित करने और भागतः सामाजिक नैतिकता के प्रभाव से जो जनता के लम्बे अनुभवों की देन है, अविरत बनी रहती है।' विवेचना कीजिए और सोदाहरण समझाइए।

6. Define the concept of modernization and describe major changes brought in the area of social and economic development.

आधुनिकीकरण की संकल्पना को परिभाषित कीजिए और सामाजिक-आर्थिक विकास के क्षेत्र में लाए गए प्रमुख परिवर्तनों को वर्णित कीजिए।

7. Write a critical essay on the role of law and the function of the lawer.

विधि की भूमिका और अधिवक्ता की क्रिया पर एक आलोचनात्मक निबन्ध लिखिए।

8. Critically comment on any *two* of the following :

(a) Rule of Law and the welfare state

(b) Impact of modernisation on the law relating to electoral reforms

(c) Right to Information

निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये ।

(अ) विधि के नियम तथा कल्याणकारी राज्य

(ब) चुनाव सुधार सम्बन्धी विधि पर आधुनिकीकरण का प्रभाव

(स) सूचना का अधिकार